Exam.Code:0010
Sub. Code: 0752

2071
B.A./B.Sc. (Hons.) Sixth Semester
Sanskrit
Paper : IV

Time allowed: 3 Hours | Max. Marks: 90

x-x-x

नोट (i) सभी प्रश्न हल करने अनिवार्य हैं।
(ii) सुलेख तथा भाषा की शुद्धता पर ध्यान दीजिए।
(iii) प्रत्येक प्रश्न के सभी भाग एक ही स्थान पर कीजिए।

---

1. निम्नलिखित में से किन्हीं चार मन्त्रों का अनुवाद एवं व्याख्या करें। **4 X 10=40**

i) अविद्यायामन्तरे वर्तमानाः स्वयं धीराः पण्डितम्मन्यमानाः।
दन्द्रम्यमाणाः परियन्ति मूढा अन्धेनैव नीयमाना यथान्धाः॥

ii) तिस्रो रात्रीर्यदवात्सीर्गृहे मे अनश्नन् ब्रह्मन्नतिथिर्नमस्य : ।
नमस्ते अस्तु ब्रह्मन्स्वस्ति मे अस्तु तस्मात्प्रति त्रीन् वरान् वृणीष्व॥

iii) सर्वे वेदा यत्पदमामनन्ति तपाँसि सर्वाणि च यद् वदन्ति।
यदिच्छन्तो ब्रह्मचर्यं चरन्ति तत्ते पदं संग्रहेण ब्रवीम्योमित्येतत्॥

iv) आत्मानं रथिनं विद्धि शरीरं रथमेव तु।
बुद्धिं तु सारथिं विद्धि मनः प्रग्रहमेव च॥

v) यस्तु विज्ञानवान् भवति युक्तेन मनसा सदा।
तस्येन्द्रियाणि वश्यानि सदश्वा इव सारथेः॥

vi) नाचिकेतमुपाख्यानं मृत्युप्रोक्तँ सनातनम्।
उक्त्वा श्रुत्वा च मेधावी ब्रह्मलोके महीयते॥

2. कठोपनिषद् के प्रथम अध्याय के अनुसार आत्मविषयक वरदान का वर्णन करें। **20**

अथवा

कठोपनिषद् के प्रथम अध्याय का वर्ण्य–विषय लिखें।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं दो का प्रतिपाद्य विषय लिखें। **2x15=30**

1. यजुर्वेद 2. सामवेद 3. ईशोपनिषद् 4. गोपथब्राह्मण

x-x-x